हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 37 | देहरादून, बुधवार, 27 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

विधानसभा में तैयार हुई विधायकों की ज़िम्मेदारी, ये है टीम

3

कारगिल विजय दिवस पर सीएम धामी का सलाम नमन और चरण स्पर्श

फ़िरोज़ आलम की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कुछ भावुक तस्वीरे , आँखों में नमी और पाँव में मुख्यमंत्री .... कुछ इसी अंदाज़ में दिखे सैनिक पुत्र सीएम धामी मौका था विजय दिवस का .. कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने कारगिल शहीदों के परिवार जनों को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल लडाई में माँ भारती की रक्षा के लिये हमारे वीर जवानों ने पराक्रम की नई परिभाषा लिखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल में भारत के रणबांकुरों का दुश्मन के खिलाफ किया गया सिंहनाद 1999 से लेकर आज तक उसी वेग से गूंज रहा है भारतीय सेना के अदम्य साहस और वीरता ने दुश्मन को एक बार फिर ये बतला दिया था कि उसके रहते हुए, तिरंगे की आन-बान और शान में रत्ती भर की भी कमी नहीं आ सकती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं तो स्वयं एक सैनिक परिवार से आता हूं और सेना के साथ मेरा रिश्ता आत्मीयता का रिश्ता है। अपने पिता जी से सुनी सैन्य वीरों की गाथाओं ने मुझे बचपन से ही बहुत प्रभावित किया और मेरे अंदर राष्ट्र के प्रति संपूर्ण समर्पण की भावना को जागृत किया। मैंने बचपन से ही एक सैनिक और उसके परिवार के संघर्ष को देखा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री धामी का बेहद मानवीय व्यक्तित्व भी देखने को मिला जब उन्होंने वीर शहीदों के बुजुर्ग परिजनों के पाँव छूकर उन्हें सम्मान दिया। लोगों के लिए ये पल बेहद भावुक करने वाला था मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध के समय अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। हमने युद्ध भी जीता और वैश्विक स्तर पर कूटनीति में भी जीते। अटल जी ने शहीदों का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गाँव में राजकीय सम्मान के साथ करने की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों के आश्रितों के कल्याण के प्रति वचनबद्ध है। शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को उसकी योग्यता अनुसार सरकार द्वारा सेवायोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों के आश्रितों के कल्याण के प्रति वचनबद्ध है। शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को उसकी योग्यता अनुसार सरकार द्वारा सेवायोजित किया जा रहा है। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा राज्य के वीरता पदक से अलंकृत सैनिकों को दी जाने वाली एकमुश्त तथा वार्षिकी में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। परमवीर चक्र विजेता को 30 लाख से 50 लाख, अशोक चक्र 30 लाख से 50 लाख, महावीर चक्र 20 लाख से 35 लाख, कीर्ति चक्र 20 लाख से 35 लाख, वीर चक्र और शौर्य चक्र 15 से 25 लाख और सेना गेलेन्ट्री मेडल 07 लाख से 15 लाख करने को मंजूरी दी गई है। देहरादून के गुनियालगाँव में 04 हेक्टेयर भूमि पर प्रदेश के शहीदों की स्मृति में अत्याधुनिक एवं समस्त सुविधाओं युक्त 'शौर्य स्थल (सैन्य धाम) का निर्माण किया जा रहा है जिसमे प्रदेश के समस्त शहीदों के नाम अंकित किये जायेंगें। निर्माण कार्य दिसम्बर 2023 में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग, एनडीए, सीडीएस और उनके समकक्ष लिखित परीक्षा पास करने वाले राज्य के अभ्यर्थी को साक्षात्कार की तैयारी के लिए 50 हजार रूपये की सहायता दी जा रही है।

सरकार द्वारा आगे आने वाले समय में भी सेवारत सैनिकों / पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों के हितों के लिए निरन्तर प्रयास जारी रहेंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने भी अपने सम्बोधन में कारगिल शहीदों को नमन करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि के साथ वीर भूमि भी है।कार्यक्रम में देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा, सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी, ब्रिगेडियर दिनेश बडोला , मेजर जनरल संजय शर्मा , मेजर जनरल अमरदीप भारद्वाज, मेजर जनरल जी एस रावत, बडी संख्या में पूर्व सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक और शहीदों के परिवार जन उपस्थित थे।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि) गुरमीत सिंह ने कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कारगिल विजय दिवस के मौके पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि) गुरमीत सिंह ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी. देहरादून के गढ़ी कैंट में बने लाल गेट पर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई. इस दौरान आर्मी के कई अधिकारी भी मौजूद रहे.बता दें, कारगिल दिवस को आज देश भर में शौर्य दिवस के रूप में मनाया जा रहा है. उत्तराखंड के भी कारगिल युद्ध में 75 वीर जवानों ने अपनी शहादत दी थी. उसी शहादत को याद करके आज प्रदेश में हर किसी की आंखें नम हैं.

आज नम आंखों से सभी कारगिल वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है.राज्यपाल ने कहा कि जिन शहीदों ने कारगिल युद्ध में अपनी शहादत दी है, मैं उनको नमन करता हूं. उनकी शहादत को सलाम करता हूं. जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर किए. राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार हर सैनिक के लिए बेहतर काम कर रही है. उन्होंने सभी सैनिक और उनके आश्रित परिवारों को आश्वासन दिया कि अगर किसी भी सैनिक को या उसके परिवार को दिक्कत है, तो उसके लिए राजभवन के दरवाजे हमेशा खुले हैं. वह मुझे आकर अपनी समस्या बता सकते हैं, जिसका निराकरण किया जाएगा.राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि) गुरमीत सिंह ने कहा कि उत्तराखंड वीरों की भूमि है.

यहां के हर परिवार से जवान सेना में जाकर देश सेवा कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से भी कारगिल युद्ध में 75 जवानों ने अपनी शहादत दी थी, जिनको आज नम आंखों से याद किया जा रहा है और श्रद्धांजलि दी जा रही है.

देहरादून में चार दिन का मौसम अलर्ट इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मौसम विभाग ने एक बार फिर चार दिन का मौसम बुलेटिन जारी कर 30 तारीख तक का अलर्ट जारी किया है। जिसके तहत मौसम विभाग ने 27 जुलाई को येलो अलर्ट जारी करते हुए प्रदेश के देहरादून, उत्तरकाशी और बागेश्वर जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है. जबकि 28 जुलाई को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है.

29 को जारी पूर्वानुमान के अनुसार उत्तराखंड राज्य के कुमाऊं क्षेत्र और गढ़वाल क्षेत्र के आसपास के जिलों में भारी बारिश की संभावना है, जबकि 30 जुलाई को ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने से सड़कों और राजमार्गों में रुकावट की संभावना जताई है, जबकि पहाड़ी क्षेत्र में नदियों और नदियों के मजबूत प्रभाव को भी कहा जा सकता है. सक्रिय व निचले इलाकों में हो सकता है जलभराव, मौसम विभाग के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि तेज बौछारों के साथ ही गरज के साथ ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है.

काम की बात : 1 अगस्त से बदल जाएंगे आपके बैंक से जुड़े ये नियम, तुरंत पढ़िए

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोमवार से साल के आठवें महीने यानी अगस्त की शुरुआत होने वाली है. अगस्त के आगमन के साथ ही बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े कई नियम और बैंक-एटीएम से जुड़े कई नियमों में बदलाव होने वाला है. इस बदलाव से आपको कुछ दिक्कत भी आ सकती हैं और आपकी जेब पर सीधा असर पड़ने वाला है...

चेक के क्लीयरेंस को लेकर आरबीआई की गाइडलाइन का पालन करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने चेक भुगतान के नियम में कुछ बदलाव किया है. बैंक ने अपने ग्राहकों को कहा है कि 1 अगस्त से 5 लाख या उससे अधिक अमाउंट वाले चेक के भुगतान के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम अनिवार्य होगा. इसके अभाव में चेक पेमेंट नहीं किया जाएगा.

क्या है पॉजिटिव पे सिस्टम

देश के केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग धोखाधड़ी को रोकने के लिए वर्ष 2020 में चेक के लिए 'Positive Pay System' शुरू करने का फैसला किया था. इस सिस्टम के तहत चेक के माध्यम से 50 हजार रुपये से ज्यादा के भुगतान के लिए कुछ प्रमख जानकारी की आवश्यकता हो सकती है. इस सिस्टम के माध्यम से चेक की जानकारी मैसेज, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या फिर एटीएम के माध्यम से दी जा सकती है. चेक की पेमेंट करने से पहले इन जानकारियों की जांच की जाती है.

अगस्त में 13 दिन बंद रहेंगे बैंक

अगस्त के महीने में त्योहारों और छुट्टियों के कारण 13 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं. स्वतंत्रता दिवस , रक्षाबंधन, जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी जैसे बड़े त्योहार इसी महीने होते हैं. लिहाजा अगर आपको बैंक से संबंधित कोई काम अगस्त में है तो छुट्टियां जरूर देख लें.

देखिए इस उबर ड्राइवर के राइड कैंसिल करने का अंदाज़, वायरल हो रही है चैट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लोग ओला, उबर और अन्य कैब प्रोवाइडर्स से काफी परेशान हैं। ड्राइवर के राइड कैंसिल के बहानो ने पहले से लोगो को बहुत हसाया है। ऐसा ही एक पोस्ट वायरल हो रहा है। दिल्ली में जब भी बारिश होती है तो यहां के लोग घूमने के लिए निकल जाते हैं. कुछ ऐसे भी होते हैं जो बारिश का मजा वहीं पर लेने लगते हैं जहां पर मौजूद होते हैं. हालांकि, कुछ लोग ऑफिस से वापस लौटने के लिए मेट्रो या बस का इस्तेमाल करने से बचते हैं क्योंकि काफी भीड़ हो जाती है. इससे बचने के लिए कैब बुक करके सीधे घर के लिए निकलते हैं. पिछले तीन-चार महीने में कैब ड्राइवर और राइडर के बीच चैट के कई स्क्रीनशॉट वायरल हुए हैं. एक और अजीबोगरीब स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है, जिसे देखकर आप दंग रह जाएंगे. बारिश के मौसम में एक कैब ड्राइवर ने राइड लेने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि उसका मन नहीं था. जी हां, ड्राइवर का मैसेज चैट अब इंटरनेट पर लोगों को गुदगुदा रहा है.

एक ट्विटर यूजर ने अपने एक्सपीरियंस के बारे में बताया जब उसने एक कैब बुक किया. अक्सर, जब लोग UBER कैब बुक करते हैं तो ड्राइवर का मैसेज आता है कि कहां पर जाना है. इस पर लोग जवाब देते हैं और ड्राइवर को अपने पास के लोकशन पर बुलाते हैं. लेकिन इस बार कुछ अलग देखने को मिला. दिल्ली में बारिश हो रही थी और रिया कासलीवाल नाम की लड़की ने कैब बुक किया. उसने ड्राइवर को यह बताने के लिए उबर ऐप के मैसेज फीचर का इस्तेमाल किया कि उसे कहां जाना है. हालांकि ड्राइवर का जवाब देख आप दंग रह जाएंगे.

ड्राइवर ने सबसे पहले यह पूछा कि कहां जाना है. इसके बाद लड़की ने जवाब दिया कि ग्रीन पार्क सर. फिर ड्राइवर ने कहा कि ऐसे मौसम में. लड़की ने पूछा- आप आ रहे हैं ना? फिर ड्राइवर ने उल्टा सवाल किया कि क्या करूं? लड़की ने ड्राइवर से दोबारा सवाल किया कि आ रहे हैं क्या सर? फिर ड्राइवर ने जवाब दिया कि मन नहीं करता. इस बातचीत के बाद लड़की ने अपने ट्विटर अकाउंट पर बातचीत की स्क्रीनशॉट शेयर कर दिया. लोग इस स्क्रीनशॉट को देखकर जमकर मजाक उड़ाने लगे और यह तस्वीर वायरल हो गई. एक यूजर ने लिखा, 'बंदा जानता है ग्रीन पार्क के बाद का ट्रैफिक इस मौसम में. इसलिए मना कर रहा.'

रोजाना उल्टा चलने के फायदे जानकर हो जाएंगे हैरान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शरीर को फिट और स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप सुबह टहलना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। लेकिन उल्टा चलने से भी सेहत को कई प्रकार के लाभ मिलते हैं। जी हां, रोज सुबह 15 से 20 मिनट तक उल्टा चलने से सेहत और दिमाग दोनों को कई तरह के फायदे मिलते हैं। पीछे की ओर चलना आसान नहीं होता है और अकेले इसका प्रैक्टिस करना बहुत मुश्किल होता है। इसलिए इसका प्रैक्टिस किसी व्यक्ति के देखरेख में ही करना चाहिए। रोजाना उल्टा चलने से घुटनों के दर्द से राहत मिलती है। साथ ही इससे पैरों को मजबूती मिलती है। तो आइए जानते हैं रोजाना उल्टा चलने से सेहत को मिलने वाले फायदे के बारे में

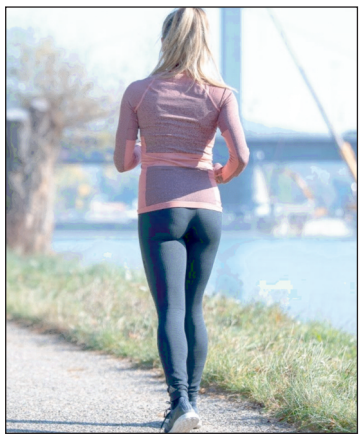

उल्टा चलने के फायदे

1. पैरों को मजबूती मिलती

रोजाना उल्टा चलने से पैरों को अधिक मजबूती मिलती है। क्योंकि उल्टा चलते समय पैरों में अधिक ताकत लगानी पड़ती है। जिससे पैरों की आगे-पीछे दोनों ही तरफ की मांसपेशियों का एक्सरसाइज होता है। जिसकी वजह से पैरों को अधिक ताकत और मजबूती मिलती है।

2. शरीर का संतुलन ठीक रहता

रोजाना उल्टा चलने से शरीर का संतुलन ठीक रहता है। क्योंकि उल्टा चलने से दिमाग पर अधिक जोर पड़ता है। ऐसा करने से दिमाग ज्यादा काम करता है जो कि शरीर के संतुलन को बढ़ाने में फायदेमंद होता है। जिससे शरीर का संतुलन ठीक रहता है।

3. घुटनों का दर्द से राहत मिलती

रोजाना उल्टा चलने से घुटनों का दर्द से राहत मिलती है। क्योंकि उल्टा चलने से घुटनों का दर्द जल्द ही राहत मिलती है। साथ ही उल्टा चलने से घुटनों में मौजूद स्ट्रेस कम होता है, जिससे सूजन भी कम होता है।

4. मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

रोजाना उल्टा चलने से मानसिक स्वास्थ्य को फायदा मिलता है। क्योंकि उल्टा चलने से दिमाग स्वस्थ रहता है और दिमाग को ज्यादा काम करना पड़ता है। रोजाना उल्टा चलना एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी समस्या में फायेदमंद होता है।

राज्य के शहरी क्षेत्रों के लिए ड्रेनेज प्लान जल्द बनाया जाए, मुख्यमंत्री के निर्देश

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाए। जनपदों में मुख्य विकास अधिकारियों की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाए। जिसमें कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारी भी हों।

सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग कृषि एवं उद्यान विभाग के साथ समन्वय से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों को 2025 तक बेस्ट प्रैक्टिस के तौर पर धरातल पर क्या कार्य कर सकते हैं एवं अगले 10 सालों का रोडमैप बनाने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग को पर्वतीय क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए बागवानी पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। 5 सालों में राज्य की जीडीपी को दोगुना करने के लिए सभी विभागों को तेजी से कार्य करने होंगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सौंग एवं जमरानी बहुद्देशीय परियोजना पेयजल एवं सिंचाई की दृष्टि से राज्य के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सौंग बांध पेयजल परियोजना की अवशेष स्वीकृति संबंधी कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि परियोजनाओं में विलम्ब न हो, यदि कहीं कोई समस्या आ रही है, तो ऐसे मामले उच्च स्तर पर लाये जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कोलीढ़ेक, थरकोट झील एवं गगास जलाशय का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि योजना पूर्ण होने की जो अवधि निर्धारित की गई हो, उस अवधि में वह पूर्ण हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ब्लॉक स्तर पर एक-एक गांव में पॉयलेट बेस पर स्प्रिंकलर आधारित सिंचाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य के शहरी क्षेत्रों के लिए ड्रेनेज प्लान जल्द बनाया जाए। जल संरक्षण एवं जल संवर्द्धन की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। जलाशयों की क्षमता वृद्धि के लिए और प्रभावी प्रयासों की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग की अगली बैठक कब होगी, यह आज ही तय किया जाए। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि बैठक में जो भी निर्णय लिए जाते हैं एवं जो लक्ष्य दिये जा रहे हैं, उनकी प्रगति की सम्पूर्ण जानकारी अगली बैठक में प्रस्तुत की जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, एच.सी. सेमवाल, एस.एन. पाण्डेय, अपर सचिव ललित मोहन रयाल, सिंचाई विभाग के विभागाध्यक्ष मुकेश मोहन एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

दिव्य पुष्प अर्चन के साथ महादेव का चार प्रहर अनुष्ठान प्रारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी (देहरादून)। आर्यम इंटरनेशनल फ़ाउंडेशन के तत्त्वावधान में संचालित भगवान शंकर आश्रम मसूरी में शिवरात्रि महोत्सव धूम धाम से प्रारम्भ हुआ। श्रावण कृष्ण पक्ष की त्रियोदशी को आज आर्द्रा नक्षत्र में अभिजीत मुहूर्त के अंतर्गत विशेष कमल पुष्पों से भगवान महादेव की स्तुति की गई।अनुष्ठान बुधवार ब्रह्ममुहूर्त में पूर्ण होगा।

ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष एवं शक्ति संधान पीठ के मुख्य अधिष्ठाता परमप्रज्ञ जगतगुरु प्रोफ़ेसर पुष्पेंद्र कुमार आर्यम महाराज के सानिध्य और दिशा निर्देश में शिव सहस्त्रनाम का पाठ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर रुद्रीपाठ भी किया गया। संकल्प अभियोजना में हिन्दुत्व के उत्थान और सत्य सनातन वैदिक परम्पराओं की प्रतिष्ठा की कामना की गई। उन्होंने कहा कि आज समग्र विश्व का कल्याण सिर्फ़ और सिर्फ़ भगवान शिव की शरण में जाकर ही सम्भव है। इस अवसर पर माँ यामिनी श्री, कल्याणी श्री , शालिनी श्री, प्रीतेश, प्रविंद्र, अभिमन्यु, अर्चना, राहुल अरोरा, उपासना श्री, कपिल,शिवम् आर्य आदि उपस्थित थे।

शहीद के सम्मान में श्रद्धांजलि यात्रा निकाल कर भावुक हुए सूर्यकांत धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कारगिल विजय दिवस पर देहरादून में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कैंट विधानसभा में सामाजिक कार्यों के लिए सक्रिय रहने वाले सूर्यकांत धस्माना ने अपनी अनोखी श्रद्धांजलि देते हुएबुजुर्ग मां से व शहीद की विधवा से जब उनका दुख दर्द और हाल चाल पूछा तो उनके स्नेह से शहीद की माता भावुक हो गयी और कहा कि पिछले साल आज ही के दिन आप आये थे और कुछ महीनों बाद सुरेंद्र के पिता बीमार हुए और उनका स्वर्गवास हो गया। उन्होंने सूर्यकांत धस्माना को कहा कि बीच बीच में हम लोगों की खबर लेते रहा करो। श्री धस्माना ने कहा कि आपके बेटे ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है और ये हम सब का कर्तव्य है कि हम आपका ख्याल रखें। उन्होंने अपने सहयोगियों से आग्रह किया कि वे शहीद के परिवार से हमेशा संपर्क में रहें और उनकी किसी भी प्रकार की परेशानी के बारे में उनकी सहायता करें व उनको भी सूचित करें। कांग्रेस लीडर धस्माना ने शहीद की माता

मंगला देवी नेगी व शहीद की पत्नी दर्शनी देवी नेगी को भरोसा दिया कि वे लगातार उनके संपर्क में रहेंगे व किसी भी प्रकार की परेशानी में उनकी यथा संभव सहायता करेंगे। सूर्यकांत धस्माना ने शहीद सुरेंद्र सिंह नेगी के चित्र पर माल्यार्पण किया उनकी माता व पत्नी को शाल पहनाकर सम्मानित किया व शहीद की माता के चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया।कार्यक्रम में अवधेश कुमार, अभिषेक तिवारी, राम कुमार थपलियाल, संजय कटारिया, सलीम अंसारी, प्रवीण कश्यप, अनीता दास, सुमन जखमोला, इकराम, अनुज दत्त शर्मा आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा में तैयार हुई विधायकों की ज़िम्मेदारी, ये है टीम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने एक आदेश जारी कर उत्तराखंड विधानसभा की 15 समितियों का गठन करके उनमें सदस्यों एवं सभापतियों की नियुक्ति की है। जिनमें लोक लेखा समिति , प्राक्कलन समिति, सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम समिति, सरकारी आश्वासन समिति, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति एवं विमुक्त जाति सम्बन्धी समिति, प्रतिनिहित विधायन समिति, संस्कृत भाषा प्रोत्साहन समिति, आचार समिति, सूचना प्रोद्यौगिकी सम्बन्धी समिति, पलायन सम्बन्धी समिति, सतत विकास सम्बन्धी समिति, युवा मामले सम्बन्धी समिति , स्थानीय बोली भाषा समिति, विधान सभा पुस्तकालय समिति एवं पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी समिति का गठन किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा है कि विधानसभा की समितियां सदन का लघु स्वरूप होती हैं। जिस प्रकार सदन चलता हैं उसी प्रकार समितियां भी अपना कार्य संचालन करती है।विधान सभा का कार्यपालिका पर नियंत्रण के लिए विभिन्न सभा समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में संसदीय समितियां सदन की आंख और कान का कार्य करती हैं और उन्ही के माध्यम से सदन सत्र में न रहते हुये भी निरन्तर कार्य करता रहता है।उन्होंने आशा व्यक्त की है कि गठित समितियां अपना कार्य पूरी जिम्मेदारी एवं तत्परता से करते हुए प्रदेश के विकास एवं समाज की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगी। उन्होंने सभी समितियों के सभापति और एवं सदस्यों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।विधान मण्डलों के बहुआयामी कार्य एवं सरकार के कार्य–कलापों की जटिलताओं को दृष्टिगत रखते हुए राज्य विधान मण्डल के लिए यह सम्भव नहीं है कि वह सदन के अन्दर विधायन एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यों का सूक्ष्म परीक्षण कर सकें। संविधान के अनुच्छेद 174(2) के अधीन विधान मण्डल के प्रति मंत्रि–परिषद के सामूहिक उत्तरदायित्व और कार्यपालिका के कृत्यों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के लिए संविधान के अनुच्छेद–208 के अन्तर्गत बनायी गई उत्तराखंड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली, 2005 के विभिन्न स्थाई प्रकृति की वित्तीय एवं गैर वित्तीय समितियों का गठन किया जाता है।उत्तराखण्ड विधान सभा के दिनांक 30 मार्च, 2022 के उपवेशन में पारित प्रस्ताव जिसमें उत्तराखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली-2005 के नियम 188 के साथ पठित नियम- 218, 220 222 एवं 262, एवं सुसंगत नियमों के अधीन विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने समितियों में सभापति एवं सदस्यों को नियुक्त किया है

लोक लेखा समिति : ममता राकेश, वीरेन्द्र कुमार, दीवान सिंह बिष्ट, सरवत करीम अंसारी प्रदीप बत्रा,प्रीतम सिंह पंवार, सहदेव सिंह पुण्डीर,

प्राक्क्लन समिति : मुन्ना सिंह चौहान(सभापति)प्रदीप बत्रा,दीवान सिंह बिष्ट,तिलक राज बेहड़,हरीश धामी,प्रीतम सिंह पंवार,शैलारानी रावत,

सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम समिति : विनोद कंडारी (सभापति)सुरेश सिंह चौहान, अनिल नौटियाल, सहदेव सिंह पुण्डीर, सुमित हृदयेश, फुरकान अहमद, भरत सिंह चौधरी,

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं विमुक्त जाति संबंधी समिति : गोपाल सिंह राणा(सभापति)फकीर राम टम्टा,भूपाल राम टम्टा,राज कुमार पोरी, सरिता आर्य,सुरेश गढ़िया, ई० रवि कुमार,

सरकारी आश्वासन सम्बन्धी समिति : विक्रम सिंह नेगी,(सभापति)मनोज तिवारी प्रदीप बत्रा, मोहन सिंह महरा, प्रमोद नैनवाल, त्रिलोक सिंह चीमा, संजय डोभाल,

प्रतिनिहित विधायन समिति : विशन सिंह चुफाल,(सभापति) बृज भूषण गैराला, मोहन सिंह बिष्ट, मनोज तिवारी, मयूख महर, सरिता आर्य, दुर्गेश्वर लाल,

विधान पुस्तकालय समिति : शहजाद, (सभापति)सुरेश सिंह चौहान, राज कुमार पोरी, फकीर राम टम्टा, मदन बिष्ट, अनुपमा रावत, उमेश कुमार,

संस्कृत भाषा प्रोत्साहन समिति : भरत सिंह चौधरी,(सभापति) किशोर उपाध्याय, भूपाल राम टम्टा, सविता कपूर खुशाल सिंह अधिकारी, राजेन्द्र सिंह भण्डारी, दुर्गेश्वर लाल,

आचार समिति (एथिक्स कमेटी) : विनोद चमोली, (सभापति)सुरेश गढ़िया, त्रिलोक सिंह चीमा, भुवन कापड़ी, अनुपमा रावत डा0 मोहन सिंह बिष्ट, सरवत करीम अंसारी,

सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धी समिति : उमेश शर्मा ₹काऊ₹,(सभापति) उमेश कुमार पत्रकार, शिव अरोड़ा, प्रमोद नैनवाल, राजेन्द्र सिंह भण्डारी, ई० रवि कुमार, बृज भूषण गैराला,

पलायन संबंधी समिति : खजान दास,(सभापति)रेनू बिष्ट,दीवान सिंह बिष्ट, फकीर राम टम्टा, प्रीतम सिंह, मनोज तिवारी, अनिल नौटियाल,

पर्यावरण संरक्षण संबंधी समिति : शक्ति लाल शाह,(सभापति) अनिल नौटियाल, किशोर उपाध्याय, डा0 मोहन सिंह बिष्ट, सुरेश सिंह चौहान, मदन सिंह बिष्ट, मयूख महर,

सतत विकास संबंधी समिति : आदेश चौहान,(सभापति)वीरेन्द्र कुमार, आदेश सिंह चौहान, मोहन सिंह महरा, शैलारानी रावत, महेश जीना, बृज भूषण गैराला,

युवा मामले संबंधी समिति : राम सिंह कैडा(सभापति) राज कुमार पोरी, सहदेव सिंह पुण्डीर, सुरेश गढ़िया, महेश जीना, हरीश धामी, सुमित हृदयेश,

स्थानीय बोली भाषा समिति : दलीप सिंह रावत,(सभापति)दुर्गेश्वर लाल, राजेन्द्र सिंह भण्डारी, खुशाल सिंह अधिकारी, प्रमोद नैनवाल, शिव अरोड़ा, शैलारानी रावत

मंत्री रेखा आर्य की कांवड़ यात्रा, विवाद से प्रचार तक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत इसलिए मिला था क्योंकि उसकी टीम के कप्तान युवा और धाकड़ पुष्कर सिंह धामी हैं जो कहते हैं मिनिमम गवर्नेंस और मैक्सिमम गवर्नमेंट यानी कि विकल्प रहित संकल्प के साथ 2025 में प्रदेश को सर्वोत्तम राज्य बनाना है। इसके लिए उन्होंने मंत्रियों को लक्ष्य भी दे दिया है।

पहाड़ हो या मैदान सभी तेरह जिलों में लोकहित की योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाना पहली प्राथमिकता बताई है। कहीं ना कहीं जनता को भी भरोसा है , उसे लगता है कि भाजपा के मंत्री , विधायक , मुख्यमंत्री और उनके निर्देश पर अधिकारी जनहित के कार्य करेंगे , लोकहित कल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाएंगे।

लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो प्रचार प्रसार और टीआरपी को अच्छी तरह से भुलाना जानते हैं। उन्हें पता है कि कब और किस तरह से अपने आप को सुर्खियों में बनाए रखना है। तस्वीरों , वीडियो और ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म पर किस तरह से अपने आपको अलग दिखाना है , बड़ा दिखाना है। उत्तराखंड में एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हैं जिन्होंने बीते कुछ सालों में अपनी पहचान टीआरपी मिनिस्टर के रूप में दर्ज करा ली है।

हम बात कर रहे हैं प्रदेश की धामी सरकार में धाकड़ और दबंग छवि बना चुकी महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य की ... सुर्खियों में बने रहना जैसे रेखा आर्य की बेस्ट क्वालिटी में शामिल है। कभी वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के साथ नोकझोंक , आरोप-पत्यारोप और शिकायत पत्र तो कभी काफिले को खेत में रुकवा कर फसल काटती पोज़ में फोटो , तो कभी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रचार प्रसार के लिए साइकिल अभियान चलाकर अपने आप को सुर्खियों में ला देने की कला , छोटे से राज्य में बड़ी पहचान बनाने के लिए कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य की यह स्टाइल उन्हें अलग और अनोखी बनाती है... यही वजह है कि जब वह सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आती है तो कार्यक्रम स्थल पर नेताओं अधिकारियों और जनता की नजर उनकी वेशभूषा और विशेष श्रंगार पर टिक जाती है...

एक बार फिर मंत्री जी खूब टीआरपी बटोर रही है , मुख्यमंत्री धामी से ज्यादा सुर्खियां बटोर रही है और राजधानी देहरादून में उनके आकर्षक तस्वीरों से सजी होल्डिंग और बैनर लोगों के बीच कौतूहल का विषय बने हुए हैं। यूं तो उन्होंने मकसद बताया है प्रदेश में लिंगानुपात को सुधारने का , देव भूमि को देवी भूमि बनाने का .... इसीलिए मंगलवार को उन्होंने अपने कंधे पर कांवड़ उठाया , भगवा पहना , माथे पर त्रिपुंड लगाया और

पसीना पोछते हुए आरामदायक जूते में लंबी पदयात्रा की ... इस दौरान उनके आगे आगे सोशल मीडिया टीम भी उन्हें लाइव देश और प्रदेश की जनता तक पहुंचाती भी दिखी ... लगभग 20 से 30 लोगों के इस काफिले के साथ कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य कावड़ यात्रा लेकर निकली तो उनके पीछे तख्ती और बैनर लिए उनके समर्थक भी जोश में दिखे।

हालांकि इस कावड़ यात्रा को लेकर बीते 1 हफ्ते में खूब विवाद हुआ लेकिन उन्होंने सभी विवादों पर विराम लगाते हुए बड़े ही दबंग अंदाज में हरिद्वार की सड़कों पर अपनी कावड़ यात्रा की। अब इसको लोकप्रियता बटोरने का धार्मिक अंदाज़ कहें या योजनाओं को आम आदमी से जोड़ने का अपना अनोखा अंदाज , कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य की पहचान ही अब एक दबंग और टीआरपी मिनिस्टर के रूप में बनती जा रही है।

देखना होगा कि क्या धामी सरकार में अपनी एक अलग पहचान के साथ मंत्री रेखा आर्य अपनी विभागीय जिम्मेदारियों और योजनाओं को भी इसी दबंग अंदाज में जनता तक पहुंचा पाएंगी ? क्योंकि प्रदेश में महिलाओं की स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में स्थिति किसी से छिपी नहीं है। बाल श्रम हो या भाल भिक्षा वृत्ति या महिला अपराध की बातें हो या फिर समय समय पर पहाड़ों में महिलाओं का स्वास्थ्य सेवाओं में बदहाल हकीकत बयां करती तस्वीरें हों , उम्मीद की जानी चाहिए कि महिला स्वास्थ्य , महिला अपराध , महिला स्वरोज़गार , गर्भवती महिलाओं और बुजुर्ग पहाड़ की औरतों तक एम्बुलेंस और दवाएं पहुंचाने के लिए मंत्री रेखा आर्य इसी तरह पदयात्रा करेंगी और सरकारी सिस्टम को सुधारने में भक्ति की शक्ति के साथ अपने सामर्थ का भी प्रदर्शन करेंगी।

मंत्री सौरभ की टीम ने शिव भक्त कांवड़ियों को खिलाई आइसक्रीम और खीर

शरीर में तरावट और सफ्फर में ताजगी लाने के लिए आइसक्रीम परोसी : सौरभ बहुगुणा

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड देवभूमि है , हरिद्वार में उमड़ा करोड़ों कांवड़ियों का हुजूम गवाह है कि गंगा के उद्गम स्थली और चार धामों की पवित्र भूमि क्यों अद्भुत है अलौकिक है। इसी पावन धरती पर मानव सेवा का विशेष पुण्य लाभ होता है। तीर्थयात्रिओं की सेवा और उनकी आवभगत का अनोखा नज़ारा दिखा काशीपुर में जहाँ प्रदेश के युवा कैबिनेट मंत्री और देश के लोकप्रिय लीडर रहे हेमवती नंदन बहुगुणा की राजनैतिक विरासत को संवार और समृद्ध कर रहे सितारगंज से विधायक सौरभ बहुगुणा की युवा टीम ने कांवड़ियों को प्रदेश सरकार की मशहूर फ़ूड ब्रांड आँचल डेयरी की लज़ीज़ आइस्क्रीम और खीर परोस कर उनके थका देने वाले सफर मीठा और तरोताज़ा किया है।

कैबिनेट बहुगुणा का कहना है कि कांवड़ यात्रा आस्था की यात्रा है। जो शिव भक्त देवभूमि आ रहे हैं उनका स्वागत करना कर्तव्य भी है और पुण्य भी , इसीलिए उन्होंने सोचा कि कांवड़ियों को प्रदेश की स्वादिष्ट आइस्क्रीम परोसी जाये जिससे उनके शरीर में तरावट और सफर में ताजगी आ सके। इसी लिए उन्होंने अपनी तरफ से काशीपुर में कांवड़ियों के लिए खीर व आइसक्रीम की सेवा उपलब्ध कराने का सौभाग्य प्राप्त किया है जिससे उनका और उनकी युवा ब्रिगेड टीम को बेहद आत्मीय संतुष्टि मिली है। टीम का कहना है कि भविष्य में जब भी ऐसे अवसर आएंगे ऐसे ही परोपकार के अवसरों पर मंत्री सौरभ बहुगुणा और उनकी फैन टीम लोगों की सेवा के लिए तैयार रहेगी।

उत्तराखंड के 26 स्कूलों को मिला स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार, देखें लिस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के लिए यह बहुत खुशी की बात है कि राज्य स्तर पर स्वच्छ विद्यालय स्वच्छता पुरस्कार में 26 स्कूलों का चयन किया गया है. जीतने से पहले एक प्रयास है, जिसमें 26 स्कूलों ने प्रयास किया है। और इन 26 स्कूलों में से केवल एक ही विजेता होगा, लेकिन प्रयास के माध्यम से, ये 26 स्कूल हमारे लिए विजेता हैं, इसलिए उत्तराखंड के 26 स्कूलों को बहुत बहुत बधाई।

इनमें से 20 स्कूल ओवरऑल कैटेगरी में आए हैं। जबकि सभी कैटेगरी में छह का चयन किया गया है. महानिदेशक-शिक्षा बंधीधर तिवारी ने बताया कि राज्य स्तर पर चयनित आठ विद्यालयों को राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए भेजा जा रहा है। राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सभी 26 स्कूलों को इसी महीने में पुरस्कृत किया जाएगा। तिवारी ने बताया कि राज्य स्तरीय उपश्रेणी में अल्मोड़ा से पीएस बसोट, भिकियासैंण/नैनीताल/पौड़ी से केवी हल्द्वानी जवाहर नवोदय विद्यालय जयहरीखाल/देहरादून से केवी ओएनजीसी रायपुर और केवी अपर कैंप, सहसपुर/हरिद्वार से स्काईवर्ड, सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कृष्णा नगर, रुड़की का चयन किया गया है।

बता दें कि 173 स्कूल पुरस्कार के दावेदार थे। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2016-17 से स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार की शुरुआत की थी। राज्य स्तर पर स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 के लिए कुल श्रेणी में 100 और उप-श्रेणी में 73 स्कूलों का चयन किया गया था। पिछले 26 स्कूलों का चयन स्कूलों की रैंकिंग के आधार पर किया गया है।

ये हे सबसे स्वच्छ स्कूल:गढ़वाल मंडल:

1.देहरादूनः ज्योति स्पेशल स्कूल, डोईवाला,/ केवी ओएनजीसी रायपुर,/ जीजेएच स्कूल सुद्धोवाला, सहसपुर/ केवी ओएफडी रायपुर/ दून इंटरनेशल स्कूल पौधा, सहसपुर/ 2. हरिद्वारः यूपीएस रोहाल्की, दयालपुर भगवानपुर/ दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर, बाहदराबाद 3. चमोलीः पीएस बुरसोल थराली/केवी जोशीमठ 4.पौड़ीः जीजीएचएस, डुंगरी, नैनीडांडा, 5.टिहरीः पीएस दूंगीधार, चम्बा ।कुमाऊं मंडलः 1.यूएसनगरः दिल्ली पब्लिक स्कूल, रूद्रपुर,/पीआरबीएचएस अकेडमी, काशीपुर/ आरएएन पब्लिक स्कूल, रूद्रपुर,/ पीएस महाराजपुर, रूद्रपुर 2.पिथौरागढ़ःजनरल बीसी जोशी आर्मी स्कूल बिन/ जीपीएस सालकोट, बिन 3.नैनीतालःजेएमडी इंटरनेशनल स्कूल हल्द्वानी/ केवी हल्द्वानी 4.अल्मोड़ाः यूपीएस छित्तर, चौकुटिया/

सतपाल महाराज का ऐतिहासिक फैसला, पंचायत घरों में लगेंगी राष्ट्रपति मुर्मू की तस्वीर

प्राणों की आहुति देने वाले देश के जांबाज वीरों को सलाम : सतपाल महाराज

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सतपुली (पौडी.)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सतपुली में प्रदेश के संस्कृति, लोनिवि, सिंचाई एवं पंचायत राज मंत्री सतपाल महाराज ने राष्ट्रीय चित्रकला कार्यशाला के उद्घाटन के साथ ही 1999 के कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीदों के परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

प्रदेश के संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सतपुली में कारगिल विजय दिवस पर ललित कला अकादमी भारत सरकार एवं संस्कृति विभाग उत्तराखंड के ₹राष्ट्रीय चित्रकला कार्यशाला₹ का बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ किया। कारगिल विजय दिवस पर आयोजित इस कार्यशाला में देशभर से 31 कलाकार प्रतिभाग करने जा रहे हैं जो अपनी चित्रकारी के माध्यम से कारगिल शहीदों की वीर गाथाओं को आम जनमानस तक पहुंचाएंगे।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री महाराज ने कारगिल शहीद डबल सिंह बिष्ट के भाई मनोज बिष्ट को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। संस्कृति मंत्री ने कार्यक्रम में आये देश के कलाकारों को सम्मानित करते हुए कहा कि

जनपद के लिए यह पहला अवसर है जब राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सतपुली (पौड़ी) में हो रहा है। उन्होने कहा कि इस कार्यशाला में देश भर के चित्रकार एक सप्ताह तक अपनी कला का जौहर दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से पूरे देश को यह संदेश देना है कि किस प्रकार देश के जांबाज वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की सुरक्षा की।

संस्कृति मंत्री ने कहा कि देश की अखंडता व संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए हमें आमजन को जागृत करना है। हमें आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आगामी 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाना है। वहीं उन्होने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाए जाने पर प्रदेश की ओर से बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति का अधिकारिक फोटो प्राप्त होने के उपरांत प्रदेश की समस्त पंचायत घरों में उनकी फोटो स्थापित की जाएगी। उन्होने यह भी कहा कि देश में अनुसूचित जनजाति की पहली महिला का राष्ट्रपति के पद पर पहुंचना दर्शाता है कि देश अब जाति, दल से ऊपर उठकर विकास को प्राथमिकता दे रहा है।

प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ने बताया कि पंचायत राज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश को 135 करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई है जिससे प्रदेश में 200 ग्राम पंचायतों के नए भवनों का निर्माण, 100 पंचायत भवनों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, 500 ग्राम पंचायत को कंप्यूटरीकृत करने, प्रदेश के सभी विकासखंड मुख्यालयों को सेटेलाइट से जोड़ने, विकासखंड स्तर पर कूड़ा निस्तारण हेतु कंपैक्टर स्थापित करने आदि कार्य किये जायेंगे। उन्होने कहा कि सरकार ब्लाक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से कराने जा रही है। जिससे जनता को पारदर्शिता के साथ योग्य प्रतिनिधि मिल सकेगा। वही सरकार गांव की आमदनी बढ़ाने के लिए वन पंचायत स्तर पर चीड़ के पेड़ों का वन निगम के माध्यम से कटान कर वहां पर मोन पालन, मशरूम, दलहन इत्यादि के उत्पादन के माध्यम से ग्रामीण काश्तकारों की आमदनी में बढ़ोतरी का प्रयास करने जा रही है।

इस अवसर पर एसडीएम सतपुली संदीप सिंह, नगर पंचायत अध्यक्षा सतपुली अंजना वर्मा, ललित कला अकादमी नई दिल्ली की सदस्य/कार्यक्रम की समन्वयक रिया काम्बोज, सहायक कार्यक्रम अधिकारी ललित कला अकादमी हिमांशु डबराल, बीईओ द्वारीखाल सुरेंद्र सिंह नेगी, प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सतपुली थानेश्वर कुकरेती, मण्डल अध्यक्ष महिपाल सिंह, सत्यराज, राकेश नैथानी, शुभम रावत, यशवंत सिंह सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

चमोली पुलिस ने खोज निकाले चार धाम यात्रियों के खोये दर्जनों फोन, एसपी श्वेता चौबे ने टीम को दी शाबाशी

फोन, खोया हुआ फोन वापस पाकर फोन स्वामियों के चेहरों पर आई मुस्कान से बढ़ा हौसला : श्वेता चौबे , IPS

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आईपीएस श्वेता चौबे पुलिस अधीक्षक चमोली ने आम जनता के खोए हुए मोबाइल फोन की लिखित शिकायतों का गम्भीरता से संज्ञान लिया है। मोबाइल रिकवरी सैल को एक्टिव करते हुए उन्होंने तेज़ी से कार्यवाही करते हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में पाई है।

मोबाइल रिकवरी सैल में नियुक्त कर्मियों ने शिकायतकर्ता के प्रार्थना पत्रों के आधार पर जुलाई 2022 तक खोये हुए मोबाइलों को सर्विलांस के माध्यम से छानबीन की और आई. एम.ई.आई. के आधार पर विभिन्न स्थानों से 13 मोबाइल फोन रिकवर किए गए, साथ ही मई में बद्रीनाथ धाम में 21 श्रद्धालुओं के खोये हुए फोन रिकवर कर फोन स्वामियों के सुपुर्द किए है जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली है।

अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस पाकर उनका कहना था कि खोया हुआ मोबाइल फोन वापस मिल पाएगा ऐसी उन्हें उम्मीद नहीं थी, कुछ ने बताया कि मोबाइल पर सारे निजी कागजात थे जो गलत हाथों में न जाये इसे लेकर चिंतित थे। मोबाइल प्राप्त करने पुलिस कार्यालय में उपस्थित हुए मोबाइल स्वामियों को पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने खुद उनके मोबाइल सौंपे और इस दौरान लोगों ने चमोली पुलिस की इस तेज़ कार्यवाही पर पुलिस टीम की हृदय से सराहना की ।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लोगों की खुशी देख पुलिस टीम का भी उत्साह बढ़ा है और उन्होंने सभी को सलाह दी कि अपने फोन में कभी भी व्यक्तिगत अति महत्वपूर्ण जानकारियाँ एवं फोटोग्राफ नहीं रखें,आपकी व्यक्तिगत जानकारियों को दुरुप्रयोग हो सकता है।

आप भी पढ़िए बरामद किये गये मोबाइल फोन का विवरण व कीमतः-

VIVO- 04, OPPO-06, REALME- 03, MI- 09, RED MI-08, SAMSUNG-01, I-PHONE -03 (कीमत 03 लाख 20 हजार)

बरामद कुल 34 मोबाइल की अनुमानित कीमत- लगभग 9 लाख से अधिक

ये हैं बरामदगी करने वाली चमोली पुलिस टीमः-

1. का0 चन्दन नागरकोटी
2. का0 राजेन्द्र रावत

मच्छर की शिकायत पर स्टूडेंट्स का ये फैसला हुआ वायरल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपको शायद ही यकीन होगा कि हाईटेक हो चुके भारत के डिजिटल स्कूलों में भले ही स्मार्ट क्लास चलायी जा रही है , भले ही ऑनलाइन क्लास का फार्मूला देश की युवा स्टूडेंट विंग ने सीख ली हो लेकिन आज भी न जाने कितने ऐसे सरकारी और प्राइवेट स्कूल हैं जो बदहाल और खतरनाक स्थिति में चल रहे हैं। देश और प्रदेशों की सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए भले ही बजट से लेकर योजनाओं की घोषणा तक लाख दावे किये हों और अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलकर वाहवाही भी लूट ली हो , लेकिन विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव होने से विद्यार्थी शिक्षण कार्य का बहिष्कार कर रहे है।

ऐसा ही वाकया खानपुर के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में सामने आया जब कक्षा 6 व 10 के विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य को लिखित में अवगत कराया कि कक्षाओं में प्रतिदिन पानी का भराव होने के साथ मच्छर काटने से शिक्षण कार्य नहीं कर कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने इसकी सूचना मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को दी। पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने पर तहसीलदार भरत कुमार यादव ने विद्यालय में पहुंचकर पटवार घर की छत के पानी की समुचित निकासी व विद्यालय नाली काटकर पानी की निकासी कराने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड में भी हैं स्कूलों में मुश्किलों का ढेर -

पहाड़ के सरकारी स्कूल हों या गाँव कस्बों में खुले अंग्रेजी माध्यम के रंग बिरंगे कान्वेंट , फीस , किताबें और ड्रेस के नाम पर अभिभावकों से फीस तो मोटी वसूलते हैं लेकिन जब बात सुविधाओं की करें तो हालात दयनीय नज़र आते हैं। पहाड़ों में आज भी बच्चे जान जोखिम में डाल कर लम्बी दूरी तय कर पढ़ने जाते हैं। न जाने कितने स्कूल ऐसे हैं जहाँ ऑनलाइन क्लास के फार्मूले से अनजान बच्चे स्मार्ट क्लास का मतलब ही नहीं जानते हैं। ऐसे में ये कहना कि डिजिटल इंडिया में ये नया भारत , उभरता भारत है तो कहीं न कहीं वायरल होती ये दरख्वास्त हकीकत बयां कर ही देती है।

सीडीओ झरना कमठान ने बांटे स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार , ये विद्यालय हुए सम्मानित

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में जनपद स्तरीय स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान तथा अपर जिलाधिकारी डॉ शिव कुमार बरनवाल ने वितरित किए मुख्य विकास अधिकारी ने केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी, केंद्रीय विद्यालय ओएफडी, केंद्रीय विद्यालय अपर कैंप, केंद्रीय विद्यालय रायवाला, ज्योति स्पेशल स्कूल सहित जनपद देहरादून के 36 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं प्रधानाचार्यो को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य शिक्षा अधिकारी डॉ मुकुल कुमार सती द्वारा अवगत कराया गया कि स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय), स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग भारत सरकार द्वारा विद्यालयों में पेयजल एवं स्वच्छता कार्यक्रम के प्रयासों में उत्कृष्टता को मान्यता देने, प्रेरित करने और पुरस्कृत करने के उद्देश्य से सन 2016 -17 में की गई थी।

पुरस्कारों का स्पष्ट उद्देश्य उन विद्यालयों को सम्मान करना है, जिन्होंने स्वच्छ विद्यालय अभियान के सभी मुख्य लक्ष्य को पूर्ण करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 के दिशा निर्देश कोरोना वायरस महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए थे। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाला प्रत्येक विद्यालय तथा प्रत्येक उपश्रेणी में 5 विद्यालय जनपद स्तर पर चयनित किए जाने थे।

संपादकीय

चेतावनी है प्रकृति का कोप

मौसम विज्ञान विभाग ने मई के आखिरी दिन इस साल देश में सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश की संभावना जतायी थी, तो न सिर्फ किसानों में खुशी की लहर दौड़ गयी थी, बल्कि बंपर पैदावार से महंगाई पर अंकुश की उम्मीदें भी नये सिरे से हरी हो गयी थीं. दीर्घकालिक औसत के 103 प्रतिशत बारिश के अनुमान के साथ यह दावा भी किया गया था कि यह लगातार चौथा साल होगा, जब देश में मानसून सामान्य रहेगा. लेकिन ये भविष्यवाणियां सही साबित नहीं हुईं और मानसून इतना असामान्य हो गया है कि देश के कुछ राज्य अतिवृष्टि के शिकार होकर भीषण बाढ़ की समस्या से दो-चार हैं, तो अनेक राज्यों में सूखे जैसे हालात पैदा हो गये हैं. देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की बात करें, तो इसके कोई तीन दर्जन जिले भयंकर सूखे की चपेट में हैं. खरीफ की फसलों की बुवाई व रोपाई आदि के लिहाज से अति महत्वपूर्ण जुलाई का महीना खत्म होने को है, लेकिन इनमें से कई जिलों में सामान्य की पांच फीसदी बारिश भी नहीं हुई है. सामान्य मानसून की भविष्यवाणी कर चुके मौसम विभाग के ही आंकड़ों के अनुसार कई जिले ऐसे हैं, जहां अभी तक की बारिश से जमीन में हल चलाने लायक नमी भी नहीं आ पायी है. प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बारिश की मात्रा 20 फीसदी का आंकड़ा भी नहीं छू पायी है. नतीजतन अभी तक प्रदेश की कुल खेती योग्य भूमि के चालीस प्रतिशत में भी बुआई नहीं हो पायी है. इसके मद्देनजर प्रदेश के कृषि निदेशालय ने अधिकारियों को अलर्ट जारी कर हालात पर पैनी निगाह रखने को कहा है. कमजोर मानसून के दूसरे पहलू को देखें, तो समस्या इससे भी ज्यादा विकट और किसी एक फसल तक सीमित न होकर दीर्घकालिक दिखती है. हमारे देश में जिस मानसून को वर्षा ऋतु का अग्रदूत मानकर उसकी समारोहपूर्वक अगवानी की परंपरा रही है और उसके आगमन पर उत्सव मनाये जाते रहे हैं, अपनी संभावनाओं के सारे आकलनों व भविष्यवाणियों को नकारकर वह अब इस कदर कहीं डराने और कहीं तरसाने क्यों लगा है? जैसा कि वैज्ञानिक कहते हैं, अगर यह जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है, तो क्या इसके लिए हम खुद ही दोषी नहीं हैं? क्या यह प्रकृति के काम में मनुष्य के बेजा दखल के खिलाफ प्रकृति की नाराजगी का संकेत नहीं है और देश के कई राज्यों में बाढ़ के पानी में डूबे गांव-शहर उसकी इस नाराजगी की बानगी नहीं है? गौरतलब है कि प्रकृति की यह नाराजगी मानसून को ही असामान्य नहीं बना रही है. इसके चलते कहीं भूस्खलन हो रहे हैं, कहीं हिमस्खलन, तो कहीं एक के बाद हो रही बादल फटने की घटनाएं भी लोगों को आतंकित कर रही हैं. हाल में ही अमरनाथ यात्रा के दौरान घटी त्रासदी ने बड़ी मानवीय क्षति की, तो पहाड़ों के दरकने की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं. आकाशीय बिजली से मरने वालों का आंकड़ा, क्या उत्तर प्रदेश, क्या बिहार और क्या झारखंड, ज्यादातर राज्यों में बढ़ता जा रहा है. क्या फिर भी कोई कह सकता है कि अभी यह सवाल पूछने का वक्त नहीं आया है कि प्रकृति का यह रौद्र रूप क्यों सामने आने लगा है या जीवनदायिनी मानसूनी बारिश क्यों जानलेवा सिद्ध होने लगी है? क्यों लोग प्रकृति की रौद्रता के सामने लाचार नजर आ रहे हैं? सच तो यह है कि ये हालात हमें चेता रहे हैं कि उन प्रकृति विरोधी राजनीतिक व आर्थिक फैसलों पर फौरन लगाम लगायें, जो ऐसे कारकों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिनसे धरती का तापमान बढ़ रहा है, यानी जलवायु परिवर्तन गंभीर होता जा रहा है.

घर से निकलते समय यह कागज अपने पास रखें नहीं तो ₹10 हजार तक का चालान हो सकता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में प्रदूषण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में भारत सरकार भी इलेक्ट्रिक वाहनों की तरफ कदम बढ़ा रही है। इसके साथ ही भारत ने कारों और बाइक्स का पीयूसी सर्टिफिकेट 10,000 करना अनिवार्य कर दिया है। आपको बता दें कि 'प्रदूषण नियंत्रण में' या पीयूसी एक जरूरी दस्तावेज है।पीयूसी सर्टिफिकेट दुपहिया वाहन, चार पहिया वाहन और सभी प्रकार के व्यावसायिक वाहन के लिए आवश्यक होता है।

चालक को ये दस्तावेज अपने साथ हमेशा रखना चाहिए। पीयूसी दस्तावेज प्रमाणित करता है कि वाहन का उत्सर्जन स्तर तय मानकों से कम है। आसान शब्दों में समझें तो वायु प्रदुषण को कम करने के लिए पीयूसी सर्टिफिकेट हर गाड़ी का होना अनिवार्य है। इसे गाड़ी की पूरी तरह जांच सही पायी जाने पर ही जारी किया जाता है।इसे बनाते समय यह जांचा जाता है कि गाड़ी तय मानक से ज्यादा पोलुशन तो नहीं छोड़ रही है। इस जांच के सही पाए जाने परपीयूसी सर्टिफिके जारी कर दिया जाता है। वाहन चलाते समय आपके पास लाइसेंस, बीमा और आरसी के अलावा, पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है, तो आपका चालान कट सकता है। दिल्ली में बिना पीयूसी के यात्रा करने वालों पर 10,000 रुपये या उससे अधिक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि आप कैसे PUC सर्टिफिकेट को ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। क्या आप सिर्फ 200-300 रुपये के बजाय 10,000 चालान का भुगतान करना चाहेंगे? नहीं न तो सबसे पहले आप

सरकार द्वारा अधिकृत प्रदूषण परीक्षण केंद्र जाएं और वाहन का प्रदूषण टेस्ट करा लें। वहांआपके वाहन के साइलेंसर में एक छड़ी जैसा उपकरण डाला जाएगा और इंजन चालू करने के लिए कहा जाएगा। इस तरह प्रदूषण लेवल की जांच की जाती है। एक बार परीक्षण हो जाने के बाद, पीयूसी की सर्टिफिकेट दे दिया जाता है। आप चाहें तो इसे ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं।

अगर आपके पास से पीयूसी सर्टिफिकेट गुम या खराब हो गया है तो ऐसे करें ऑनलाइन डाउनलोड सरकार वाहन मालिकों को अपना पीयूसी ऑनलाइन डाउनलोड करने का एक आसान तरीका देती है।सबसे पहले, आपको परिवहन सेवा वेबसाइट पर जाना होगा। वहां आपको टैब पर एक पीयूसी का विकल्प दिखाई देगा। इस पर क्लिक करें।फिर अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर के अंतिम पांच अंक दर्ज करने के लिए कहा जाएगा। साथ ही आपको कैप्चा कोड डालना होगा।एक बार सबमिट करने के बाद, आप अपने पीयूसी की स्थिति देख सकेंगे। यदि यह अभी भी वैलिड है तो पीयूसी को डाउनलोड किया जा सकता है। यदि आपने इसके लिए आवेदन किया है, तो यह आपके आवेदन की स्थिति भी दिखाएगा और एक बार पीयूसी उपलब्ध हो जाने के बाद, इसे डाउनलोड और प्रिंट कर सकते हैं।

शहीदो के परिवारो के प्रति अपना कर्तव्य निभाना ही सच्ची श्रद्धांजलि : युगल किशोर पंत , जिलाधिकारी यूएस नगर

मो० सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

1999 मे हुए कारगिल युद्ध के शहीदो की स्मृति मे 23वीं कारगिल दिवस को रुद्रपुर में शौर्य दिवस के रूप मे पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक स्थल मे श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी युगल किशोर पंत, क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा, ब्लॉक प्रमुख ममता जलहौत्रा, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कत्याल, अभय कुमार उपजिलाधिकारी प्रत्युष सिंह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी राजन धपोला, पुलिस विभाग एवं विभिन्न विभागो के अधिकारियो, जनप्रतिनिधियो व भूतपूर्व सैनिको द्वारा कारगिल युद्ध मे शहीद हुए जनपद के हवलदार पदम राम व राइफलमैन अमित नेगी के चित्रो पर पुष्पचक्र अर्पित किये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कारगिल दिवस के शहीदो को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि सैनिक कठिन व विषम भौगोलिक परिस्थितयो मे भी सीमाओं पर देश की रक्षा कर रहे है, हम उनके परिजनो को सम्मान दे साथ ही सैनिको का कोई भी कार्य हो उसे प्राथमिकता से पूर्ण करना चाहिये। जिन वीर सैनिको ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किये है, उन्हे याद करने के साथ उनकी कुर्बानी को भी याद रखना चाहिये। उन्होने कहा वीर शहीदो के परिवारो के प्रति हमारा जो दायित्व बनता है, उसे हमे पूरा करना चाहिये ताकि वे अपने को गौरवान्वित महसूस करें यही उन वीर सपूतो को जिन्होने देश की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहूती दी उनको सच्ची श्रद्धांजली होगी।

क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा ने कहा कि आज कारगिल दिवस शौर्य दिवस के रूप में मनाते है यह देश के सैनिकों के शौर्य का प्रतीक है। उन्होने बताया कि पड़ौसी मुल्क द्वारा हमारे देश पर धोके से आक्रमण किया। उन्होने कहा कि भौगोलिक व मौसम की विशम परिस्थितियों में देश के सैनिको का शौर्य, साहस और संघर्ष की क्षमता के आधार पर देश विजयी हुआ। उन्होने कहा कि यह भारत के इतिहास की बहुत बड़ी विजय है, आज हम सब के लिए गर्व का दिन है। आज पूरा देश अपने 527 शहीद सैनिको की शहादत पर गर्व कर रहा है और जो सैनिक आज सीमाओं पर हमारी सुरक्षा कर रहे है, हमारी स्वतन्त्रता को निरन्तर अक्षुण बनाये हुए है उनके प्रति आज का दिन समर्पण का दिन है। उन्होने कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाऐं दी।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कै0 रंजीत सेठ ने बताया कि सन्-1999 मे हुए कारगिल युद्ध के कारणो एवं कारगिल मिशन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होने कहा कारगिल युद्ध मे भारतीय सेना ने अपने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए कारगिल युद्ध को जीता। उन्होने बताया इस युद्ध मे देश के 527 जवान शहीद हुए जिसमे प्रदेश के 75 व जनपद के 02 जवान शामिल है। इस युद्ध मे देश के 1300 जवान घायल हुए। उन्होने बताया कि इस युद्ध मे शहीद हुए जवानो की स्मृति मे प्रत्येक वर्श 26 जुलाई को कारगिल दिवस शौर्य दिवस के रूप मे मनाया जाता है।

शौर्य दिवस के अवसर पर जनपद में शिक्षण संस्थाओं द्वारा कारगिल युद्ध/देश भक्ति से सम्बन्धित चित्रकला, निबन्ध एवं कविता पाठ एवं खेल विभाग द्वारा क्रास कन्ट्री प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में राजकीय पू0 मा0 विद्यालय खमरिया के कृष्णा व हेमन्त कुमार, निबन्ध प्रतियोगिता में रा0क0इ0का0 फाजलपुर महरौला की पूजा व दीक्षा झा एवं कविता पाठ प्रतियोगिता में रा0 प्रा0 विद्यालय शिवनगर की सिमरन एवं कृष्णा को सम्मानित किया गया।

इस दौरान खेल विभाग द्वारा मनोज सरकार, स्पोर्ट्स स्टेडियम रूद्रपुर में ओपन आयु वर्ग बालक एवं बालिकाओ की क्रास कन्ट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रास कन्ट्री प्रतियोगिता के अन्तर्गत बालक वर्ग में विमल उपाध्याय प्रथम, सौरभ रावत द्वितीय, नीरज नेगी तृतीय, सोलित कुमार चतुर्थ, दीपांकर पंचम एवं मनदीप कुमार ने षष्टम स्थान तथा बालिका वर्ग में मीना कोरंगा प्रथम, संजना पाल द्वितीय, जसकिरन कौर तृतीय, सबा अंजुम चतुर्थ, निषा पंचम एवं अजरा बी ने षष्टम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को जिलाधिकारी एवं विधायक जी के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

क्या आप अपनी अधिक सोचने की समस्या से परेशान हैं, तो ये टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं

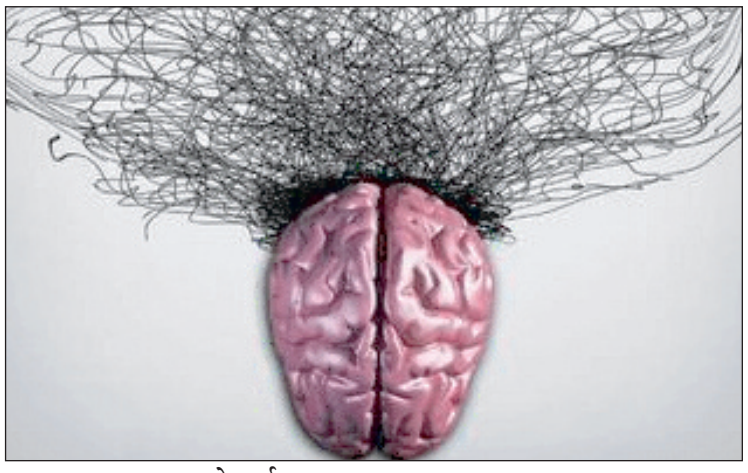

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ज्यादा सोचना या ओवर थिंकिंग कोई बीमारी नहीं है, लेकिन यह एक ऐसी चीज है जिसे आप नियंत्रित नहीं कर सकते। ज्यादा सोचने की आदत आपके खेलने के मूड को एक सेकेंड में बदल देती है। आप छोटी-छोटी बातों को इस तरह सोचते हैं कि आपका मूड खराब हो जाता है। यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक साबित हो सकता है। कई लोगों के साथ समस्या यह होती है कि जब वे पूरे दिन के बाद बिस्तर पर जाते हैं, तो वे ऑफिस में रिश्ते या दिन के किसी अन्य अनुभव के बारे में सोचते रहते हैं। दिन भर में कई ऐसे अनुभव होते हैं, जिन्हें लेकर लोग काफी चिंतित और तनाव में रहते हैं। अगर आप इन बातों के बारे में ज्यादा सोचते हैं तो इसका दिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ता है और आप नींद न आने के साथ-साथ डिप्रेशन जैसी समस्याओं के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि यहां हम आपको बताएंगे कि ओवर थिंकिंग को कम करने के लिए आपको क्या करना चाहिए? आइए जानते हैं।

ज्यादा सोचने की आदत को कम करने के लिए अपनाएं ये उपाय;

अपने आप को बिजी रखे देखा जाता है कि जब आप खाली बैठे होते हैं, तभी आप ज्यादा सोचते हैं, यह जरूरी नहीं है कि आप पूरे समय काम करते रहें। आप गेम भी खेल सकते हैं, मूवी देख सकते हैं, अगर आपका कुछ करने का मन नहीं है तो आप अपने दोस्तों से बात कर सकते हैं।

पालतू जानवर रखे कुत्ता या बिल्लीपालतू जानवर आपको व्यस्त रखेंगे और आपसे प्यार करेंगे जिससे आपका ध्यान उन पर रहेगा और आप ओवर थिंकिंग की आदत से बच पाएंगे।

सोने से पहले पिएं दूधःअगर आप सोने से पहले दूध का सेवन करते हैं तो आपको तनाव और चिंता से छुटकारा मिलता है.

पैरों की तलवों की तेल से मालिश करेंःरात को बिस्तर पर जानते से पहले पैरों की तेल से मालि करने से शरीर में वात को संतुलित करने में मदद मिलती है. आप आरामदायक और शांत महसूस करते हैं जिससे तनाव और चिंता जैसी समस्याओं से राहत मिलती है और आप जल्दी सो जाते हैं. साथ ही आप मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है.

सिर की तेल से मालिश करेंःदिनभर की थकान, तनाव और चिंता को दूर करने के लिए सिर की तेल से मालिश करना एक बेहतरीन उपाय है. यह आपको रिलैक्स महसूस कराने का एक आसान तरीका है. खासकर अगर आप गर्म तेल से सिर की मालिश करते हैं तो इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और साथ ही सिर का दर्द या तनाव जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है.

क्या आप जानते है दुनिया का आठवां अजूबा कहां बनने जा रहा है ?

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा (828 मीटर) बनाने वाला सऊदी अरब अब दुनिया का 'आठवां अजूबा' बनाने जा रहा है। वह 766 अरब रुपए (800 अरब पाउंड) की लागत से विशालकाय 'साइडवे स्काईस्क्रैपर' के निर्माण की योजना बना रहा है। करीब 120 किलोमीटर लंबी इस इमारत में 50 लाख लोगों के आशियाने होंगे। इसमें 1600 फीट ऊंची दो इमारतें होंगी। आकार में यह अमरीकी राज्य मैसाचुसेट्स को टक्कर देगी। यह अमरीका की 1250 फीट लंबी एम्पायर स्टेट बिल्डिंग से बड़ी होगी।

इस प्रोजेक्ट का नाम 'मिरर लाइन' रखा गया है, क्योंकि इसके निर्माण में मिरर (शीशे) का इस्तेमाल होगा। इन इमारतों में 1,000 फीट की ऊंचाई पर स्टेडियम होगा। इमारत के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने में 20 मिनट लगेंगे। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने जनवरी 2021 में इस इमारत को लेकर अपनी योजनाओं का खुलासा किया था। उनकी महत्त्वाकांक्षा मिस्र के पिरामिड के तर्ज पर सऊदी अरब में पिरामिड बनाने की भी है। हालांकि कई लोग इस प्रोजेक्ट की लागत पर सवाल उठा रहे हैं। मानवाधिकार संगठन पश्चिम के देशों की कंपनियों से सऊदी अरब के इस प्रोजेक्ट से दूरी बनाने की अपील कर रहे हैं।

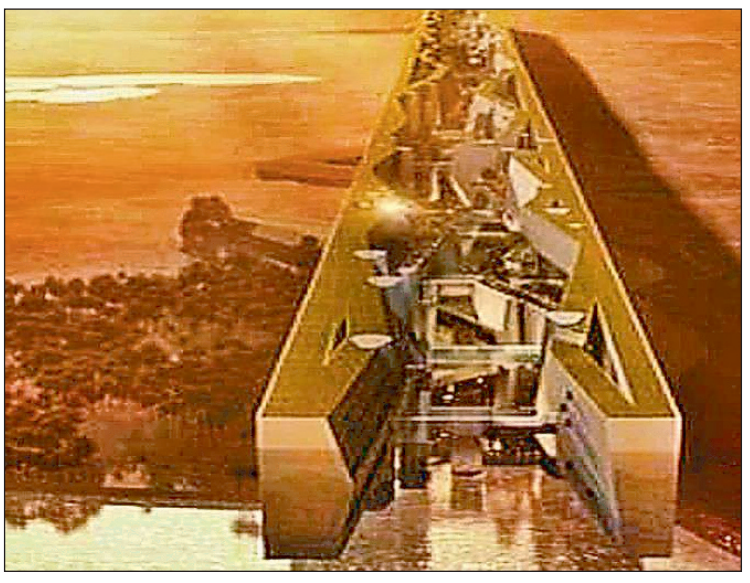

निर्माण पूरा होने में लगेंगे 50 साल

साइड वे स्काईस्क्रैपर रेगिस्तानी शहर निओम का हिस्सा होगी। इसके निर्माण में 50 साल लगेंगे। दोनों इमारतें एक-दूसरे के समांतर होंगी। इनकी अपनी हाई-स्पीड रेलवे लाइन होगी। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को उम्मीद है कि इससे हजारों को नौकरी मिलेगा। यहां खेत भी होंगे, जहां की फसल से 50 लाख लोगों को खाना मिलेगा। स्वच्छ पर्यावरण के मद्देनजर यहां हरियाली के विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

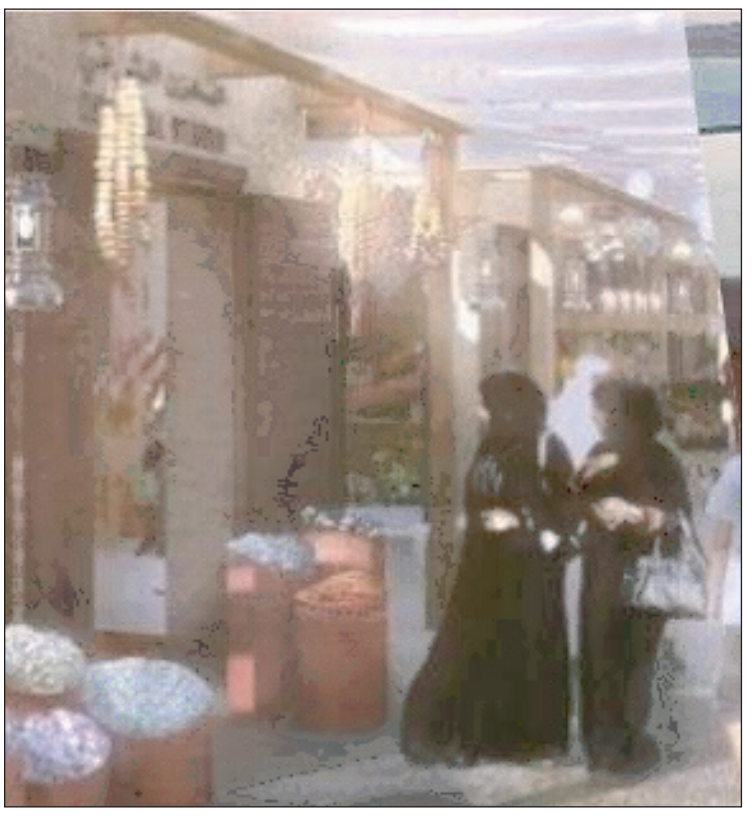

उत्तराखंड कांग्रेस का विरोध हुआ तेज़, साथ दिखे करन और प्रीतम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में एक बार फिर प्रदेश कांग्रेस का ज़ोरदार प्रदर्शन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह भी इस दौरान साथ नज़र आये।

आपको बता दें कि दिल्ली से लेकर देहरादून तक कुछ दिनों से कांग्रेस सड़कों पर है और बीजेपी सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसी कड़ी में पार्टी लीडर सोनिया गाँधी से हो रही ईडी की पूछताछ के विरोध और अपनी नेता के सपोर्ट में में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह , पूर्व विधायक राजकुमार और दर्जनों वरिष्ठ कांग्रेसजनों नें घंटाघर चौराहे पर भाजपा का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने जमकर हंगामा नारेबाजी और प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा